लौट आए सियाराम अवध मे

धुन: सुरमा ना मटका गोरिये अथवा किसी संकीर्तन धुन मे

लौट आए सियाराम अवध मे, लौट आए सिया राम
जगमग जगमग कर रहा है, आज अयोध्या धाम, लौट आए...

कनक भवन मे चमक रहे हैं, हीरे पन्ने मोति ।
अवध पूरी मे राम नाम की, जग रही घर घर जोती ॥
स्वागत को सब ने है सजाए, अपने अपने ठाम - लौट आए...

चौदह बरस के बाद अवध मे, लौट खुशी फिर आई ।
झूम झूम अरु नाच-नाचकर, गावे गीत खुदाई ॥
मधुर मिलन की मंगल-बेला, मिले भरत अरु राम - लौट आए...

गुरुजन परिजन, पुरुजन गनगण, खुश हैं मात-मातायें ।
देव गगन सों सियाराम पर, रंग-रस फुल बरसायें ॥
गूंज गगन जयकार 'मधुप हरि', जय जय सियाराम, लौट आए...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36901/title/laut-aaye-siyaram-avadh-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |